>

Title: Reported immolation of a man in Gujarat on being coaxed by Journalists.

श्री मनीष तिवारी (लुधियाना): सभापति महोदय, पिछले दिनों समाचार पत्रों में एक बहुत ही चिंताजनक खबर छपी थी, जिसकी ओर मैं आपका और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। गुजरात के महसाना जिले में ओंजा शहर है, वहां पर दो पत्रकारों ने, एक व्यक्ति को जिसका नाम कल्पेश मिस्त्री है, आत्मदाह करने के लिए उकसाया था।

मकसद यह कि उनका जो टीवी चैनल था, जिसके लिए वे काम करते थे, उसकी टीआरपी बढ़ जाए। क्योंकि यह फौजदारी का मामला है और सदन में अगर कोई भी बात कही गई तो उसका असर उस जांच पर पड़ सकता है, इसलिए इस विषय के तथ्यों में न जाकर मैं एक बड़ा सवाल खड़ा करना चाहता हूं। आज इस देश और मीडिया को टीआरपी के आतंक से निजात दिलवाने की जरूरत है। सारा खेल आंखों की पुतलियों, जिसे अंग्रेजी में आई बॉल्स कहते हैं, का है। जितने आई बॉल्स उतने विज्ञापन। हम इस सदन में और बाहर जितना मर्जी कह लें कि जो आई बॉल्स या टीआरपी है, यह देश की वास्तविकता को प्रदर्शित नहीं करती। लेकिन जिन व्यक्तियों ने विज्ञापन देना है, उनके लिए मापदंड सिर्फ एक ही है और वह टीआरपी है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस देश के मीडिया को बचाने के लिए, जो लोकतंत्र का स्तम्भ है, टीआरपी और पेड न्यूज़ का जो आतंक है, इससे निजात दिलवाने के लिए कोई न कोई ठोस कदम जल्द उठाए जाने चाहिए। मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।